अलवर कलैक्टर ने जल संरक्षण एवं विकास कार्यों का निरीक्षण किया

'निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए इन्हें समयबद्धता से पूर्ण करायें'

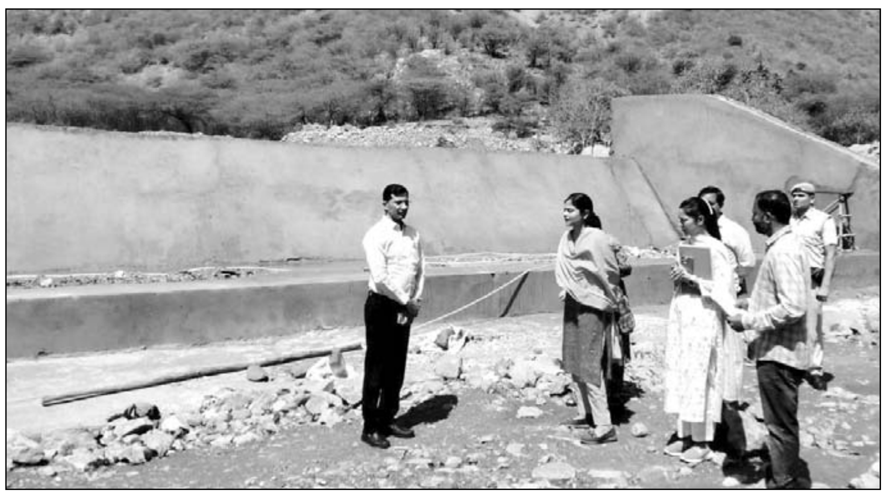

जिला कलैक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला अलवर में विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण कर निर्देश दिये।

- जिला कलैक्टर ने पर्यावरण संरक्षण हेतु चिन्हित स्थानों पर एनकेप के तहत कराए जा रहे पौधरोपण कार्य का भी अवलोकन किया

अलवर, (निसं)। जिला कलैक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बुधवार को नगर निगम की टीम के साथ जल संचय-जन भागीदारी अभियान के तहत नगर निगम कराए जा रहे भूरा सिद्ध, भाखेड़ा व जरखा वाला एनीकट निर्माण कार्यों एवं श्री अग्रसेन सर्किल के पास बन रही फूड स्ट्रीट तथा इसी स्थान पर एनकेप के तहत कराये जा रहे इंटरलॉकिंग टाइल्स, पौधरोपण एवं सड़क निर्माण कार्यों का अवलोकन कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

जिला कलैक्टर ने एनीकट निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिये कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए इन्हें समयबद्धता से पूर्ण करावें, जिससे वर्षाऋतु के दौरान जल का संचयन होने के साथ भू-जल स्तर में वृद्धि हो सके। उन्होंने निर्देश दिये कि शहर में आवश्यकतानुसार स्थानों का चिन्हिकरण कर जल संचयन की संरचनाओं का निर्माण कराया जावे। उन्होंने नगर निगम आयुक्त से कहा कि पानी के संरक्षण के लिए आमजन को प्रोत्साहित कर रूफटॉप वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर बनवाये जाएं। इसके उपरान्त जिला कलैक्टर ने श्री अग्रसेन सर्किल के पास बन रही फूड स्ट्रीट कार्य का निरीक्षण कर फूड स्ट्रीट पर आवंटियों से स्टॉल चालू कराने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देश दिये कि यहां किसी भी प्रकार गंदगी ना होवे, इसके लिए कचरे के उपयुक्त प्रबंधन हेतु गीला एवं सूखा कचरा पृथक्करण कराकर डस्टबिन का उपयोग करने हेतु पाबंद करें। उन्होंने निर्देश दिये कि यहां पर एनकेप के तहत कराये जा रहे इंटरलॉकिंग टाइल्स एवं सड़क निर्माण कार्यों को यथाशीघ्र पूर्ण करावे, जिससे यहां के सौन्दयकरण में वृद्धि हो सके। उन्होंने यहां पर्यावरण संरक्षण हेतु चिन्हित स्थानों पर एनकेप के तहत कराए जा रहे पौधरोपण कार्य का अवलोकन कर निर्देश दिये कि शहर में चिन्हित स्थानों पर ग्रीनरी का कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराना सुनिश्चित करावे। इस दौरान नगर निगम आयुक्त सोहन सिंह नरूका, प्रशिक्षु आईएएस ऐश्वर्यम प्रजापति सहित नगर निगम एवं अन्य विभागों के संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

लापरवाही सामने आने पर प्रिंसिपल सहित तीन टीचर सस्पेंड

- माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने स्कूलों का निरीक्षण किया था, निरीक्षण के दौरान एक स्कूल में एक भी छात्र नहीं मिला, जबकि अन्य स्कूलों में शिक्षक अनुपस्थित पाए गए

बीकानेर, (निसं)। सरकारी स्कूलों में एडमिशन के प्रति लापरवाही सामने आने पर माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने बीकानेर में एक प्रिंसिपल सहित तीन शिक्षकों को सस्पेंड कर दिया। औचक निरीक्षण के दौरान एक स्कूल में एक भी छात्र नहीं मिला, जबकि अन्य स्कूलों में शिक्षक अनुपस्थित पाए गए।

निदेशक जाट लूणकरणसर ब्लॉक के सरकारी स्कूलों के निरीक्षण पर पहुंचे थे। बामनवाली गांव के राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एक भी छात्र मौजूद नहीं था। प्रिंसिपल द्वारा केवल पांच नए प्रवेश होने की जानकारी दी गई, जबकि आंगनबाड़ी से छात्रों को स्कूल में लाने के लिए कोई प्रयास नहीं किया गया था। इस पर प्रिंसिपल राजन सिंह को सस्पेंड करते हुए 16 सीसीए के तहत नोटिस जारी किया गया।

हंसेरा के सीनियर सेकेंडरी स्कूल में अध्यापिका रजनी बाला (लेवल-2, अंग्रेजी) और विद्यालय सहायक गिरधारी लाल मूंड बिना सूचना के अनुपस्थित पाए गए। इस पर दोनों को तत्काल निलंबित करने के निर्देश दिए गए। वहीं कार्यवाहक प्राचार्य भंवर लाल के खिलाफ राजस्थान सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1958 के नियम 16 के तहत कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इसी स्कूल में सात कार्मिक अनुपस्थित मिले, जिस पर निदेशक ने नाराजगी जताई। इसके अलावा धीरेरा गांव के सीनियर सेकेंडरी स्कूल का भी निरीक्षण किया गया, जहां प्रवेशोत्सव कार्यक्रम की व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गई।

अब पांचवीं में भी फेल होंगे विद्यार्थी

- नए प्रावधान से पांचवीं कक्षा के विद्यार्थियों को अब पढ़ना होगा, अगर पढ़ाई में लापरवाही बरती तो वे फेल हो जाएंगे

बीकानेर, (निसं)। सरकार ने पांचवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा को लेकर बड़ा बदलाव किया है। अब पांचवीं कक्षा में भी विद्यार्थी फेल हो सकेंगे। इससे पहले यह प्रावधान आठवीं बोर्ड परीक्षा पर लागू था। नए प्रावधान से पांचवीं कक्षा के विद्यार्थियों को अब पढ़ना होगा। अगर पढ़ाई में लापरवाही बरती तो वे फेल हो जाएंगे। सरकार ने इसका नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। यह बदलाव पांचवीं कक्षा की 2026-27 की परीक्षा से लागू होगा। अब तक पांचवीं कक्षा में किसी विद्यार्थी को फेल नहीं किया जाता था। केवल पूरक घोषित किया जाता था। इसके बाद पूरक परीक्षा ली जाती और उसमें सभी को उत्तीर्ण कर दिया जाता था। अब पूरक आए विद्यार्थी को उत्तीर्ण होने के लिए जरुरी अंक प्राप्त करने होंगे। वरना उसे पांचवीं कक्षा में ही रोक दिया जाएगा।

उदयपुर में चाकू से हमला कर युवक की हत्या

- वारदात के बाद आरोपी फरार

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर के बिच्छुघाटी पर देर रात एक युवक पर चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी गई। हत्या के बाद हत्यारे कार में सवार होकर फरार हो गए। मामला आपसी रंजिश का बताया जा रहा है। हत्या के बाद बुधवार सुबह परिजनों ने मोर्चरी में हंगामा किया और प्रशासन से मुआवजे व नौकरी की मांग करते हुए हत्यारों को गिरफ्तार करने की मांग की।

जानकारी के अनुसार शहर के घंटाघर क्षेत्र में स्थित बिच्छुघाटी पर बिच्छुघाटी (सिलावटवाड़ी) में आपसी रंजिश के चलते कार में सवार नाईम पुत्र मोईनुद्दीन निवासी ठोकर प्रतापनगर हॉल अम्बामाता, कुंदन पुत्र बालमुकुंद निवासी आयड़ भुपालपुरा व साथी ने चाकू से हमला कर अम्बावगढ निवासी मो. साहिल पुत्र मो. आरिफ पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे वह अचेत होकर निचे गिर पड़ा। इसको देख उसे उपचार के लिए चिकित्सालय पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर घंटाघर थानाधिकारी करमवीरसिंह मय टीम ने मौके पर पहुंचे। घटना स्थल का निरीक्षण कर बदमाशों की तलाश शुरू की। इधर क्षेत्रवासियों की भीड़ एमबी चिकित्सालय मोर्चरी के बाहर इकठ्ठा होकर शव लेने से इनकार करते हुए 25 लाख मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को नौकरी व हत्यारों को गिरफ्तार करने की मांग पर अड़ गए। थानाधिकारी कर्मवीरसिंह मय टीम ने समझाईश कर मामला शांत किया तथा मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

प्राप्त जानकारी में सामने आया कि मो. साहिल पुत्र मो. आरिफ अपने साथी जिशान के साथ नईम और कुंदन ने टेलीफोन पर बातचीत कर रहे थे। इस दौरान पुरानी रंजिश के चलते गाली गलोज होने पर देख लेने की हो गई। इसी दौरान हाथीपोल से नई पुलिया जाने वाली रोड़ पर डेयरी के पास दोनों पक्ष आमने सामने हो गए और इस दौरान हुई चाकूबाजी में साहिल की मौत हो गई। पुलिस की टीमें हमलावरों की तलाश में जुटी है। आरोपी कुंदन भुपालपुरा पुलिस थाने का हिस्ट्रीशिटर बताया जाता है।

अलग-अलग जगह से जुआरियों को पकड़ा, केस दर्ज

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट पुलिस ने सार्वजनिक स्थानों पर जुआ खेल रहे कुछ युवकों को पकड़ा और जुआ अधिनियम में केस दर्ज किए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार माता का थान थाने के एएसआई जस्साराम ने एक वाटर सप्लायर प्लांट के पास में खाईवाली कर रहे विशेष खटिक को पकड़ा। उससे 2300 रूपए बरामद किए गए। इसी तरह महामंदिर थाने के एएसआई मनीराम ने रेलवे क्रॉसिंग महामंदिर के पास गुब्बाखाई कर रहे किशन सांसी को गिरफ्तार कर रूपए जब्त किए। जबकि सदर बाजार थाने के एएसआई नेमीचंद ने बम्बा मोहल्ला क्षेत्र में नरेश खिंची को पकड़ा। वहीं सरदारपुरा थाने के एसआई विश्राम मीणा ने गांधी मैदान के पास विजय मेघवाल को गिरफ्तार कर जुआ राशि जब्त की।

सलूम्बर : घाटा और लालपुरा में कोई अन्य रोगी नहीं, स्थिति हो रही सामान्य

- घाटा पंचायत में एवं लालपुरा क्षेत्र में अज्ञात बीमारी के प्रकोप से पांच बच्चों की असामयिक मौत का मामला
- जिला कलेक्टर ने हाई लेवल बैठक लेकर स्थिति की समीक्षा की

सलूंबर, (निसं)। जिला कलैक्टर मुहम्मद जुनेद पी पी के नेतृत्व में निरंतर निगरानी सुनिश्चित की गई, घर घर जा कर सर्वे किया एवं आमजन से अपील की गई। पिछले तीन दिन से लगातार सघन मॉनिटरिंग की गई एवं अलग-अलग टीमों का गठन कर ग्राउंड लेवल पर जांच और निगरानी शुरू की गई। जिला कलेक्टर ने हाई लेवल बैठक लेकर स्थिति की समीक्षा की।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सलूम्बर डॉ. महेन्द्र कुमार परमार ने बताया कि पूर्व में खण्ड लसाडिया के घाटा पंचायत में एवं लालपुरा क्षेत्र में अज्ञात बीमारी के प्रकोप से पांच बच्चों की असामयिक मौत हो गई, लेकिन सात अप्रैल को दो बच्चों की मौत अन्य कारणों से एवं आठ अप्रैल को झल्लारा खण्ड क्षेत्र के गांव छोटी विरवा से एक बच्चे को सामुदायिक॰स्वास्थ्य॰केन्द्र झल्लारा से डायबिटीक केटोएसीडोसीस सस्पेक्ट करते हुए जिला चिकित्सालय सलूम्बर हेतु रेफर किया गया एवं वहा से बालक को आरएनटी मेडिकल कॉलेज उदयपुर हेतु रेफर किया गया, जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा इसकी पुष्टी की गई।

घाटा और लालपुरा गांवों में अब स्थिति काफी हद तक सामान्य हो रही है। कोई नए गंभीर मामले सामने नहीं आने से प्रशासन ने बुधवार को राहत की सांस ली है। जिला प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने और एहतियात बरतने के निर्देश दिए हैं। साफ-सफाई, बच्चों के स्वास्थ्य पर ध्यान और किसी भी लक्षण पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करने की सलाह ले। फिलहाल स्थिति नियंत्रण है एवं अफवाहों से बचने की अपील की है लेकिन बीमारी की असली वजह का पता लगाना अभी भी बेहद जरूरी है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं रोकी जा सके।

वहीं जिले में बच्चों की अज्ञात बीमारी से हो रही मौतों के बाद प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया है। स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर सर्वे, सैंपलिंग और निगरानी अभियान तेज कर दिया है। हालात की गंभीरता को देखते हुए लसाड़िया में जिला कलेक्टर मुहम्मद जुनेद पी पी ने अधिकारियों की आपात बैठक लेकर सख्त निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने सीएमएचओ डॉ. महेन्द्र परमार को घाटा, लालपुरा सहित आसपास के गांवों में सर्वे कार्य तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रत्येक बच्चे की नियमित मॉनिटरिंग और स्वास्थ्य ट्रैकिंग सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी संदिग्ध मामले को तुरंत चिन्हित किया जा सके। स्वच्छता और पानी पर फोकस, सैंपलिंग के निर्देश दिए।

बारह हजार की रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

आरोपी पटवारी प्रदीप।

नोहर, (निसं)। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर ए.सी.बी. चौकी हनुमानगढ़ ईकाई द्वारा कार्यवाही करते हुये आरोपी प्रदीप कुमार राजस्व पटवारी पटवार मण्डल जबरासर तहसील नोहर जिला हनुमानगढ़ को बारह हजार रूपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया।

पटवारी प्रदीप कुमार द्वारा परिवादी के पिता व चाचा के नाम वसीयत से इंतकाल दर्ज करने की एवज में परिवादी से पन्द्रह हजार रूपये रिश्वत की मांग कर रहा था। जिस पर ए.सी.बी. हनुमानगढ़ की सुधा पालावत अति. पुलिस अधीक्षक ने ट्रेप कार्यवाही करते हुए आरोपी प्रदीप कुमार राजस्व पटवारी को बारह हजार रूपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव एवं महानिरीक्षक एस. परिमला के सुपरविजन में आरोपी से पूछताछ जारी है। एसीबी द्वारा मामले में प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

प्रदेशभर में प्रवेशोत्सव और नामांकन बढ़ाने पर जोर, शिक्षा मंत्री ने समीक्षा की

- शिक्षा मंत्री एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग की ओर से वीसी के माध्यम से बैठक आयोजित

अजमेर, (निसं)। प्रदेश के शिक्षा मंत्री एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग की ओर से बुधवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से प्रदेशभर के जिला शिक्षा अधिकारियों एवं विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में विद्यालयों में चल रहे प्रवेशोत्सव, नामांकन बढ़ाने के प्रयासों तथा शैक्षिणक गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई।

वीसी के माध्यम से जुड़ी अजमेर की जिला शिक्षा अधिकारी दर्शना शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि अब तक अजमेर जिले में 2200 से अधिक नए विद्यार्थियों का नामांकन बढ़ा है, जो विभाग के प्रयासों का सकारात्मक परिणाम है। शिक्षा मंत्री ने इस उपलब्धि पर संतोष व्यक्त करते हुए अन्य जिलों को भी इसी प्रकार बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अधिक से अधिक बच्चों को विद्यालय से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता है, जिसके लिए सभी स्तरों पर समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। वीसी के दौरान शिक्षा मंत्री ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्यालयों में अधिक से अधिक विद्यार्थियों का नामांकन सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए जागरूकता अभियान, जनसंपर्क और स्थानीय स्तर पर विशेष प्रयास करने पर जोर दिया गया। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि नामांकन प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए इसे ऑनलाइन किया जाए, ताकि अभिभावकों को सुविधा मिल सके। बैठक में पाठ्यपुस्तक वितरण कार्यक्रमों की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी विद्यार्थियों को समय पर पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध कराई जाए, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित न हो। इसके अलावा विद्यालयों में चल रही अन्य शैक्षिणक गतिविधियों की प्रगति पर भी चर्चा की गई।

बीकानेर में आर्मी एरिया के पास दस फीट की सुरंग मिली

- पुलिस की अब तक की जांच में सामने आया है कि गड्ढे की बनावट और उसके स्थान को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां इसे जासूसी से जोड़कर देख रही थी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं है

बीकानेर, (निसं)। भारत-पाकिस्तान के सीमावर्ती जिले बीकानेर में सैन्य क्षेत्र के पास 10 फीट लंबी सुरंग मिली है। मिलिट्री इंटेलिजेंस की जांच में डूंगर कॉलेज कैंपस में मंगलवार को मिली यह सुरंग बीकानेर कैंट से 250 मीटर दूर है। पुलिस की जांच में सामने आया कि एक युवक ने आर्मी एरिया के पास अस्थाई घर बनाने का प्रयास किया था। पुलिस ने दो भाइयों को डिटेन किया है। सुरंग से पुलिस को हेडफोन, बिजली के तार और 23 मार्च के अखबार में लिपटी चार रोटियां भी बरामद हुई है।

जयनारायण व्यास कॉलोनी थानाधिकारी विक्रम तिवाड़ी ने बताया कि अजय मेहरा और विजय मेहरा सार्दुलगंज में पंचशती सर्किल के पास रहते हैं। दोनों शराब पीने के आदी हैं। दोनों के पिता नहीं हैं। मां मानसिक रूप से अस्वस्थ है। दोनों का घर नहीं है। ऐसे में अजय ने डूंगर कॉलेज परिसर में 10 फीट लंबा सुरंगनुमा गड्ढा खोद लिया था। वहीं पर रहने लगा। उसका प्लान था कि धीरे- धीरे यहीं पर अस्थाई कमरा बनाकर रहेगा। इस बीच किसी ने गड्ढे का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर किया, जिससे जासूसी का शक हुआ। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों को सूचना दी गई। थानाधिकारी विक्रम तिवाड़ी का कहना है कि पुलिस की अब तक की जांच में सामने आया है कि गड्ढे की बनावट और उसके स्थान को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां इसे जासूसी से जोड़कर देख रही थी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं है। दोनों भाइयों से पूछताछ की जा रही है।

पूछताछ में अजय मेहरा ने बताया कि हमारा पहले घर था, लेकिन प्रशासन ने उसे अतिक्रमण बताकर तोड़ दिया। इसके बाद हम दोनों भाई पंचशती सर्किल पर ही सोते थे। करीब एक महीने पहले हमारा आपस में झगड़ा हो गया, जिसके बाद मैंने अलग रहने का फैसला किया। मैं डूंगर कॉलेज के क्षेत्र में ही गड्ढा खोदकर अस्थाई घर बनाने का प्रयास कर रहा था, लेकिन पुलिस ने पकड़ लिया। मैं दिनभर कबाड़ इकट्ठा करता हूं और उसे बेचने के बाद आए पैसों से खाना खरीदता हूं। जासूसी जैसा कोई प्रयास नहीं है।

जवाई बांध रेलवे स्टेशन का नाम बदला

अजमेर, (निसं)। उत्तर पश्चिम रेलवे, अजमेर मंडल के अंतर्गत आने वाले 'जवाई बांध' रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर अब 'सुमेरपुर जवाई बांध' कर दिया गया है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक मिहिर देव के अनुसार यह निर्णय यात्रियों की सुविधा ुको ध्यान में रखते हुए लिया गया है। सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति के बाद आदेश जारी कर दिया गया है। स्टेशन का कोड भी अब जे डब्ल्यू बी से बदलकर जे एस डब्ल्यू बी कर दिया है। रेलवे के सभी सिस्टम, जैसे पीआरएस और यूटीएस में नए नाम और कोड को अपडेट किया जा रहा है।

इनामी ड्रग तस्कर भवानीसिंह गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। पुलिस ने पंजाब और राजस्थान के कई जिलों में वांछित और इनामी अंतरर्राज्यीय ड्रग तस्कर भवानीसिंह भाटी को गिरफ्तार किया है। आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए फर्जी आधार कार्ड का इस्तेमाल कर रहा था।

तस्कर के कब्जे से एक कार, एक लाख रुपए नकद, 6 मोबाइल फोन और एक डोंगल भी बरामद किया है। एसपी ने बताया कि डीएसटी प्रभारी मदनलाल खटीक ने एक संदिग्ध बिना नंबर की कार को रोका। ड्राइवर ने अपनी पहचान महिपाल सिंह बताई और एक फर्जी आधार कार्ड पेश किया। कडाई से पूछताछ और तलाशी के दौरान उसके पास से एक और आधार कार्ड मिला, जिससे उसकी असली पहचान बालोतरा निवासी भवानी सिंह भाटी के रूप में हुई। इसके बाद उसे हिरासत में लेकर कोतवाली थाने ले जाया गया। पूछताछ में भवानी सिंह के आपराधिक रिकॉर्ड का खुलासा हुआ। वह एक शातिर अपराधी है, जिसके खिलाफ राजस्थान के बालोतरा, हनुमानगढ़, फलौदी और पंजाब के श्रीमुक्तसर साहिब में एनडीपीएस एक्ट के तहत कई गंभीर मामले दर्ज हैं।

वह पंजाब के मुक्तसर साहिब में पकड़ी गई नौ हजार नशीली गोलियों के मामले में मुख्य आरोपी है और लंबे समय से फरार चल रहा था। आरोपी पर फलौदी जिले में 25 हजार रुपए और हनुमानगढ़ जंक्शन में 5 हजार रुपए का इनाम भी घोषित था। जांच में सामने आया कि भवानी सिंह बिना किसी वैध लाइसेंस के फर्जी बिलिंग के जरिए फार्मा कंपनियों के नाम पर भारी मात्रा में नशीली दवाइयां मंगवाता था। वह इन दवाओं की अंतरर्राज्यीय स्तर पर तस्करी कर नशे का नेटवर्क फैला रहा था। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर आगामी कार्यवाही के लिए फलौदी पुलिस को सौंप दिया है।

बीकानेर : चानी गांव में खनिज वाहनों से करोड़ों रुपए वसूलने की जांच एसीबी करेगी

रसीद बुकों के मुताबिक 2.13 करोड़ रुपए की वसूली की गई, जिसमें से 1.26 करोड़ रुपए के बिल, वाउचर ही नहीं थे

- चानी ग्राम में वर्ष-2015 से 2020 तक तत्कालीन सरपंच, वीडीओ व अन्य कार्मिकों की मिलीभगत से नाका लगाकर खनिज वाहनों से करोड़ों की वसूली की गई थी
- कोलायत पंचायत समिति के वीडीओ वीरपालसिंह की ओर से इस मामले की रिपोर्ट एसीबी को दी गई

बीकानेर, (निसं)। कोलायत के चानी गांव में वर्ष-2015 से 2020 तक पांच साल अवैध नाका लगाकर करोड़ों रुपए वसूली के मामले की जांच एसीबी करेगी। रसीद बुकों के मुताबिक 2.13 करोड़ रुपए की वसूली की गई, जिसमें से 1.26 करोड़ रुपए के बिल, वाउचर ही नहीं थे। इसकी रिपोर्ट एसीबी को दे दी गई है।

चानी ग्राम में तत्कालीन सरपंच, वीडीओ व अन्य कार्मिकों की मिलीभगत से मनमर्जी से नाका लगाकर खनिज वाहनों से करोड़ों रुपए की अवैध वसूली की गई थी। कोलायत पंचायत समिति के वीडीओ वीरपालसिंह की ओर से इस मामले की रिपोर्ट एसीबी को दे दी गई है।

एसीबी अधिकारियों ने जयपुर मुख्यालय को मामले की जानकारी दी है। वहां मुकदमा दर्ज होगा या पीई दर्ज कर मामले की जांच कराई जाएगी। एसीबी की जांच में पूरे मामले की परतें उधड़ेंगी, क्योंकि, तत्कालीन चानी सरपंच मनोहरसिंह और ग्राम विकास अधिकारी उदयभान यादव ने मनमर्जी से निजी आय के नाम पर अवैध नाका लगाकर क्ले, बजरी, सिलिका सेंड व अन्य खनिज ढोने वाले वाहनों से करोड़ों रुपए की वसूली की थी। इसके लिए वाहन कर प्रस्ताव, आदेश, अनुमति, पंचायत बैठक या ग्राम सभा से संबंधित कोई दस्तावेज नहीं मिला था। बाद में कोलायत पंचायत समिति के रसवन्त राय और सहायक लेखाधिकारी प्रेमसागर यादव से जांच कराई तो उजागर हुआ कि 1.26 करोड़ रुपए के बिल, वाउचर नहीं थे। 56 लाख रुपए के बिल-वाउचर मिले जिन पर सरपंच, वीडीओ के पूरे हस्ताक्षर नहीं थे। रसीद बुकों के अनुसार वाहन कर से 2.13 करोड़ रुपए की आय सामने आई। कैश बुक में 1.82 करोड़ रुपए की ही आय दर्ज है। इस मामले में वीडीओ उदयभान यादव को नौकरी को बर्खास्त किया जा चुका है।

जोधपुर अभय कमांड ने तीन घंटे में लाखों के गहनों से भरा बैग ढूंढ निकाला

- बालोतरा जा रहा एक परिवार पावटा से रेलवे स्टेशन जाने के लिए एक ऑटो रिक्शा में सवार हुआ था, ऑटो में बैग छूट गया था

जोधपुर, (कासं)। शहर में कमिश्नरेट पुलिस की तत्परता और अत्याधुनिक तकनीकी निगरानी का एक उदाहरण सामने आया है। अभय कमांड सेंटर ने महज तीन घंटे के भीतर एक परिवार का गुम हुआ बैग बरामद कर लिया, जिसमें लाखों रुपए के सोने के आभूषण रखे थे।

जानकारी के अनुसार बालोतरा जा रहा एक परिवार पावटा से रेलवे स्टेशन जाने के लिए एक ऑटो रिक्शा में सवार हुआ था। स्टेशन पहुंचने और सामान उतारने के बाद परिवार को ध्यान आया कि गहनों से भरा कीमती बैग ऑटो में ही छूट गया है। बैग में लाखों के जेवरात होने के कारण परिवार की महिला सदस्य बुरी तरह घबरा गईं और बदहवास होकर रोने लगी। चूंकि ऑटो का नंबर किसी को याद नहीं था, इसलिए उसे ढूंढना एक बड़ी चुनौती थी। रेलवे स्टेशन पर तैनात पुलिसकर्मियों ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तुरंत महिला को अभय कमांड सेंटर भेजा। कमांड सेंटर पहुंचने पर टीम ने सबसे पहले पीड़ित महिला को पानी पिलाया और उन्हें भरोसा दिलाया कि उनका सामान सुरक्षित मिल जाएगा। इसके तुरंत बाद, शहर के चप्पे-चप्पे पर लगे सीसीटीवी कैमरों के नेटवर्क को खंगाला गया। पुलिस की कई टीमों ने समन्वय बिठाकर संदिग्ध रूट के दर्जनों कैमरों की फुटेज जांची। करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद टीम उस बिना नंबर वाले ऑटो रिक्शा को ट्रेस करने में सफल रही। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए ऑटो को रोका और उसमें रखा सारा सामान सुरक्षित बरामद कर लिया। इस सफल ऑपरेशन को पुलिस कमिश्नर शरत कविराज के निर्देशन और डीसीपी शाहीन सी की सतत मॉनिटरिंग में अंजाम दिया गया। ग्राउंड लेवल पर अभय कमांड प्रभारी नरेंद्र चौधरी, पुलिस अधिकारी भूपेंद्र कुमार और रामचंद्र सहित कंट्रोल रूम की टीम का बेहतर तालमेल रहा। अपना खोया हुआ कीमती सामान वापस पाकर पीड़ित परिवार की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने जोधपुर पुलिस के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया है।